INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

HANDWRITTEN NOTES

2022

प्रयोगशाला सहायक
(LAB. ASSISTANT)

RSMSSB

भाग-2 भूगोल + राजव्यवस्था + विविध + करंट अफेयर्स (राजस्थान)

LATEST EDITION

राजस्थान का भूगोल

1. स्थिति एवं विस्तार
2. मुख्य भौतिक विभाग
3. अपवाह तंत्र
4. जलवायु
5. मृदा
6. प्राकृतिक वनस्पति, वन एवं वन्य जीव संरक्षण
7. पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय मुद्दे
8. मरुस्थलीकरण
9. कृषि – जलवायु प्रदेश एवं प्रमुख फसलें
10. पशुधन
11. बहुउद्देशीय परियोजनाएँ
12. सिंचाई परियोजनाएँ
13. जल संरक्षण
14. परिवहन
15. खनिज सम्पदाएँ

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजव्यवस्था

1. राज्यपाल
2. मुख्यमंत्री और मंत्रीपरिषद्
3. विधानसभा
4. उच्च न्यायालय
5. राजस्थान लोक सेवा आयोग
6. राज्य मानवाधिकार आयोग
7. लोकायुक्त
8. राज्य निर्वाचन आयोग
9. राज्य सूचना आयोग
10. राजस्थान राज्य महिला आयोग
11. जिला प्रशासन एवं तहसील प्रशासन
12. पंचायती राज

राजस्थान का विविध

राजस्थान का समसामयिकी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट - प्रिय छात्रों, Infusion Notes (इन्फ्यूजन नोट्स) के "राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)" के sample notes आपको पीडीऍफ़ format में "फ्री" में दिए जा रहे हैं और complete Notes आपको Infusion Notes की website या (Amazon/Flipkart) से खरीदने होंगे जो कि आपको hardcopy यानि बुक फॉर्मेट में ही मिलेंगें, या नोट्स खरीदने के लिए हमारे नंबरों पर सीधे कॉल करें (9694804063, 8504091672, 8233195718) | किसी भी व्यक्ति को sample पीडीऍफ़ के लिए भुगतान नहीं करना है | अगर कोई ऐसा कर रहा है तो उसकी शिकायत हमारे Phone नंबर 8233195718, 0141-4045784 पर करें, उसके खिलाफ क़ानूनी कार्यवाई की जाएगी |

अध्याय – 3

अपवाह तंत्र

प्रिय छात्रों इस अध्याय के अंतर्गत हम लोग "राजस्थान का अपवाह तंत्र" के बारे में अध्ययन करेंगे। सबसे पहले जानते हैं कि क्या होता है "अपवाह तंत्र"?

अपवाह तंत्र –

जब नदी एक स्थान से दूसरे स्थान पर जल का प्रवाह करती हैं तब उसे अपवाह तंत्र कहते हैं। अपवाह तंत्र में नदियां एवं उसकी सहायक नदियां शामिल होती हैं।

जैसे गंगा और उसकी सहायक नदियां मिल कर एक अपवाह तंत्र बनाती हैं उसी प्रकार सिंधु और उसकी सहायक नदियां जैसे झेलम, रावी, व्यास, चिनाब एक अपवाह तंत्र बनाती हैं, उसी प्रकार ब्रह्मपुत्र नदी और उसकी सहायक नदियां भी अपवाह तंत्र बनाती हैं। भारत की सबसे लंबी नदी गंगा है तथा सबसे बड़ा अपवाह तंत्र वाली नदी ब्रह्मपुत्र है। अब हम अध्ययन करेंगे राजस्थान के अपवाह तंत्र के बारे में।

राजस्थान में कई नदियां हैं जैसे लूनी, माही, बनास, चंबल इसके अलावा यहां पर स्थित कई झीलें भी इस अपवाह तंत्र में शामिल होती हैं ।प्रिय छात्रों जैसा कि आपको पता है राजस्थान में अरावली पर्वतमाला स्थित है यह राजस्थान के लगभग बीच में स्थित है इसलिए यह राज्य की नदियों को स्पष्ट रूप से दो भागों में विभाजित करती है। इसके पूर्व में बहने वाली नदियां अपना जल बंगाल की खाड़ी में तथा इसके पश्चिम में बहने वाली नदियां अपना जल अरब सागर में लेकर जाती हैं । राजस्थान के अपवाह तंत्र को हम दो भागों में विभक्त करेंगे फिर उनके अन्य क्रमशः 4 एवं 3 उप-भाग होंगे –

1. क्षेत्र के आधार पर वर्गीकरण
2. अपवाह के आधार पर वर्गीकरण

FREE SAMPLE

I. क्षेत्र के आधार पर वर्गीकरण को चार भागों में बांटा गया है -

(अ) उत्तरी व पश्चिमी राजस्थान- इस तंत्र में लूनी, जवाई, सूकड़ी, बांडी, सागी जोजड़ी घग्घर, कातली नदियाँ शामिल होती है ।

(ब) दक्षिणी-पश्चिमी राजस्थान- इसमें पश्चिमी बनास, साबर मती, वाकल, आदि शामिल होती है ।

(स) दक्षिणी राजस्थान - इसमें माही, सोम, जाखम, अनास मोरेन नदियाँ शामिल होती हैं ।

(द) दक्षिणी - पूर्वी राजस्थान - इसमें चंबल, कुंनु, पार्वती काली सिंध, कुराल, आहू, नेवज, परवन, मेंज, गंभीरी, छोटी काली सिंध, ढीला, खारी, माशी, काली सिल आदि नदियां शामिल होती हैं।

2. अपवाह के आधार पर वर्गीकरण - प्रिय छात्रों नदियों के विभाजन का सबसे अच्छा तरीका है और इसी आधार पर नदियों को तीन भागों में बांटा गया है -

(अ) बंगाल की खाड़ी में गिरने वाली नदियाँ : -

इस अपवाह तंत्र में निम्न प्रमुख नदियां शामिल होती है जैसे चंबल, बनास, काली सिंध, पार्वती, बाण गंगा, खारी, बेडच, गंभीरी आदि। ये नदियां अरावली के पूर्व में बहती हैं इनमें कुछ नदियों का .....

***नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए*

नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE

प्रिय छात्रों अब हम प्रत्येक अपवाह तंत्र को विस्तृत रूप से समझते हैं । सबसे पहले हम बंगाल की खाड़ी की ओर चले जाने वाली नदियों का अध्ययन करेंगे-

I. <u>चंबल नदी</u> –प्रिय छात्रों चंबल नदी के बारे में हम समझते हैं कि क्या है इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं -

- चंबल नदी राजस्थान की एक मात्र ऐसी नदी है जो प्राकृतिक अंतर्राज्यीय सीमा निर्धारित करती है इस नदी को अन्य नामों से भी जाना जाता है इसके अन्य नाम है, चर्मणवती नदी, कामधेनु नदी, बारह मासी नदी, नित्य वाहिनी नदी ।
- इस नदी की कुल लंबाई 966 किलों मीटर है। यह नदी मध्यप्रदेश, राजस्थान व उत्तरप्रदेश अर्थात् 3 राज्यों में बहती है यह नदी मध्यप्रदेश में 335 किलों मीटर, राजस्थान में 135 किलों मीटर, उत्तरप्रदेश में 275 किलों मीटर बहती है यह नदी राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश के मध्य 241 किलों मीटर की अंतर्राज्यीय सीमा भी बनाती है।
- इस नदी का उद्गम स्थल मध्यप्रदेश राज्य के इंदौर जिलें हुआ । क्षेत्र के विंध्याचल पर्वतमाला में स्थित 616 मीटर ऊंची "जाना पाव की पहाड़ी" से होता है मध्यप्रदेश में मंदसौर जिला में स्थित रामपुरा भानपुरा के पठारों में स्थित इस नदी का सबसे बड़ा बांध "गांधी सागर बांध" बना हुआ है।
- यह नदी राजस्थान में सर्वप्रथम चित्तौड़गढ़ जिलें में स्थित चौरासीगढ़ नामक स्थान से प्रवेश करती है इस नदी पर भैंसरोडगढ़ के समीप सबसे बड़ा सबसे ऊंचा जल प्रपात बना है जिसे चूलिया जल प्रपात के नाम से जानते हैं।
- चंबल नदी पर चित्तौड़गढ़ जिलें के रावतभाटा नामक स्थान पर राणाप्रताप सागर बांध बना हुआ है, जो कि जल भराव की क्षमता से राज्य का सबसे बड़ा बांध है इस बांध का 113 वर्ग किलों मीटर में फैला हुआ है।
- चंबल नदी चित्तौड़गढ़ जिलें में बहने के बाद कोटा जिलें में प्रवेश करती है, कोटा जिलें में इस नदी पर जवाहर सागर व कोटा बैराज बांध बना हुआ है कोटा बैराज बांध जल विद्युत उत्पादन के लिए उपयोग में नहीं लिया जाता । कोटा जिलें के नानौरा नामक स्थान

पर "काली सिंध नदी" चंबल में आकर मिल जाती है यह स्थान प्राचीन काल में कपिल मुनि की तपस्या स्थली रहा था।

- कोटा तथा बूंदी जिलें की सीमा निर्धारित करती हुई यह नदी बूंदी जिलें में प्रवेश करती है बूंदी जिलें की केशोरायपाटन नामक स्थान पर इस नदी का सर्वाधिक गहरा भाग है जो 113 मीटर की गहराई तक है बूंदी जिलें से आगे चल कर यह नदी कोटा तथा सवाईमाधोपुर की सीमा निर्धारित करती है।
- सवाईमाधोपुर जिलें के खंडार तहसील के रामेश्वर नामक स्थान पर बनास तथा सीप नदी चंबल में आकर मिलती है तथा यहां त्रिवेणी संगम बनाते हैं। सवाई माधोपुर जिलें के पालिया नामक स्थान पर चंबल नदी की सहायक नदी पार्वती इसमें आकर मिलती है। धौलपुर जिलें के पीलहाट होते हुए यह नदी राजस्थान से बाहर निकलती है और उत्तरप्रदेश राज्य में प्रवेश कर जाती है।
- अंत में यह नदी उत्तरप्रदेश राज्य के इटावा जिलें के मुरादगंज कस्बे में 275 किलों में किलों मीटर बहने के बाद यमुना में मिल जाती है यह यमुना की सबसे बड़ी सहायक नदी है।

चंबल नदी से संबंधित अन्य तथ्य -

- चंबल नदी राज्य के कुल अपवाह क्षेत्र का 20.90% भाग मे है। यह नदी "गागेयसूस" नामक स्तनपाई जीव के लिए प्रसिद्ध है।
- चंबल यूनेस्को की विश्व धरोहर के लिए नामित राज्य की एकमात्र नदी है बहाव क्षमता की दृष्टि से राज्य की सबसे लंबी नदी चंबल ही है।
- यह सर्वाधिक सतही जल वाली नदी है इसीलिए इसे "वाटरसफारी नदी" भी कहा जाता है।
- चंबल नदी से सर्वाधिक अवनालिका अपरदन कोटा जिलें में होता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- चंबल नदी राज्य के चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी, सवाईमाधोपुर, करौली और धौलपुर जिलें में बहती है।यह विश्व की एकमात्र ऐसी नदी है जिस पर प्रत्येक 100 किलों मीटर की दूरी पर 3 बड़े बांध बने हुए हैं और तीनों ही बांध से जल विद्युत उत्पादन होता है।
- चंबल नदी में घड़ियाल सर्वाधिक मात्रा में पाए जाते हैं इस कारण चंबल नदी को घड़ियालों की जन्मस्थली कहा जाता है।

चंबल की सहायक नदियां -

- मध्यप्रदेश में मिलने वाली नदियां - सीवान, रेतम, शिप्रा ।
- राजस्थान में मिलने वाली नदियां - आलनिया, परवण, बनास, कालीसिंध, पार्वती, बामणी, कुराल, छोटी काली सिंध आदि
- चंबल नदी पर चार बांध बनाए गए हैं -

गांधी सागर बांध - मध्यप्रदेश की भानपुरा तहसील में

राणाप्रताप सागर बांध - रावतभाटा (चित्तौड़गढ़).

जवाहर सागर बांध - बोरा बास, कोटा

कोटा बैराज बांध - कोटा शहर

बनास नदी -

- बनास नदी का उद्गम राजसमंद जिलें में स्थित खमनोर की पहाड़ियां से होता है पूर्णतः प्रवाह के आधार पर यह राजस्थान की सबसे लंबी नदी है इसकी कुल लंबाई 480 किलों मीटर है।
- इस नदी को अन्य नामों से जाना जाता है जैसे वन की आशा, वर्णाशा, वनआशा, वशिष्ठ नदी।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

यह नदी 6 जिलों में बहती है यह 6 जिलें क्रम से हैं राजसमंद, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, अजमेर, टोंक, सवाईमाधोपुर ।इस नदी के प्रवाह क्षेत्र में भूरी मिट्टी के क्षेत्र का प्रसार पाया .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

2. अरब सागर में गिरने वाली नदियाँ -

I. लूनी नदी -

- इस नदी का उद्गम स्थल अजमेर जिलें में स्थित नाग पहाड़ी है । पुष्कर से गोविंदगढ़ (अजमेर) तक इसे साक्री के नाम से जाना जाता है। अजमेर में इसे साबरमती, सागरमती, या सरस्वती कहा जाता है, आगे चल कर इसे लूनी नदी के नाम से जाना जाता है।
- यह अरावली के पश्चिम में बहने वाली लूनी नदी सबसे बड़ी नदी है लूनी नदी मरुस्थल की सबसे लंबी नदी भी है।
- इसे अन्य नामों से भी जाना जाता है जैसे – मारवाड़ की जीवनरेखा, मरुस्थल की गंगा, आधी खारी आधी मीठी नदी, अंतः सलिला (जो कि कालिदास ने दिया था), रेल या नेड़ा (जालौर में जाना जाता है)
- इस नदी की कुल लंबाई 320 किलों मीटर है जो कि पूर्णतया बरसाती नदी है। इसका जल बालोतरा (बाड़मेर) तक मीठा तथा बाद में खारा हो जाता है इसलिए इसे आधी मीठी आधी खारी नदी के नाम से जाना जाता है।
- इसकी सहायक नदियां निम्न प्रकार है - सुकड़ी, जवाई, सगाई, लीलड़ी, जोजड़ी, मीठड़ी, सागी इत्यादि
- इसका अपवाह अजमेर ,नागौर ,पाली ,जोधपुर ,बाड़मेर और जालौर जिलें में लूनी नदी के तेज प्रवाह के कारण इसे रेल या नेड़ा कहा जाता है ।
- हल्दीघाटी के युद्ध की योजना अकबर ने इसी नदी के तट पर बनाई थी ।
- लूनी एवं बनास राज्य की ऐसी नदियां है जो अरावली पर्वतमाला को मध्य में से विभाजित करती है ।
- लूनी नदी से जोधपुर की जयसमंद झील को पानी की आपूर्ति होती है ।
- लूनी नदी में दाईं ओर से केवल जोजडी नदी मिलती है इसका उद्गम नागौर के पोंडरु गांव की पहाड़ियों से होता है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- यह नदी अंत में जालौर में बह कर गुजरात के कच्छ जिलें में प्रवेश करती है और फिर कच्छ के रण में विलुप्त हो जाती है।

2. माही नदी

- इस नदी को दक्षिण की गंगा, कांठल की गंगा बांगड़ की गंगा, आदिवासियों की गंगा, दक्षिण राजस्थान की जीवन रेखा या स्वर्ण रेखा आदिवासियों की जीवन रेखा कहा जाता है।

इस नदी का उद्गम विंध्याचल पर्वतमाला के मध्यप्रदेश के धार जिलें के सरदारपुरा नामक गांव की अमरोरु की पहाड़ियों में .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

राजस्थान में नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर-

1. हनुमानगढ़ (राजस्थान)-

राजस्थान का हनुमानगढ़ नगर घग्घर नदी के किनारे बसा हुआ है

2. कोटा (राजस्थान)-

राजस्थान का कोटा नगर चम्बल नदी के किनारे बसा हुआ है।

3. चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)-

राजस्थान का चित्तौड़गढ़ नगर बेड़च नदी के किनारे बसा हुआ है।

4. टोंक (राजस्थान)-

राजस्थान का टोंक नगर बनास नदी के किनारे बसा हुआ है।

5. झालावाड़ (राजस्थान)-

राजस्थान का झालावाड़ नगर काली सिंध नदी के किनारे बसा हुआ है।

6. गुलाबपुरा (राजस्थान)-

राजस्थान का गुलाब पुरा नगर खारी नदी के किनारे बसा हुआ है।

7. जालौर (राजस्थान)-

राजस्थान का जालौर नगर सुकड़ी नदी के किनारे बसा हुआ है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

8. अनुपगढ़ (राजस्थान)-

▶राजस्थान का अनुपगढ़ घग्घर नदी के किनारे बसा हुआ है।

9. नाथद्वारा (राजसमंद, राजस्थान)-

▶राजस्थान राज्य के राजसमंद जिलें का नाथद्वारा नगर बनास नदी के किनारे बसा हुआ है।

10. भीलवाड़ा (राजस्थान)-

▶राजस्थान का भीलवाड़ा नगर .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

राजस्थान के जिलें में नदियाँ –

जिला	नदियाँ के नाम
अजमेर	खारी, डाई, लूनी
उदयपुर	सोम, साबरमती,बेड़च, बाकली
अलवर	साबी,गौंरी, सोटा, काली,स्पारेल
श्रीगंगानगर	घग्घर
कोटा	चंबल,पार्वती,काली सिंध,परवन,निवाज
चित्तौड़गढ़	बनास, बामणी, बेड़च, बागन, बागली, औराई, सीबना, गभीरी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

राजस्थान की प्रमुख झीलें -

प्रिय छात्रों राजस्थान की झीलों को हम दो भागों में विभाजित करेंगे -

(अ)खारे पानी की झीलें,

(ब) मीठे पानी की झीलें

दोस्तों जैसा कि आपको पता है खारे पानी की झील से आशय ऐसी झील से होता है जिसमें लवणता की मात्रा होती है और मीठे पानी की झील अर्थात् एक ऐसी झील जिसमे लवणता की मात्रा नहीं पाई जाती है । प्रिय छात्रों जैसा कि आपको पता है कि अरावली पर्वतमाला राजस्थान के लगभग बीच में स्थित है जिसके पश्चिम में खारे पानी की झीलें हैं और इसके पूर्व में मीठे पानी की झीलें स्थित हैं । यह अरावली पर्वतमाला .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

(अ) खारे पानी की झीले -

I. सांभर झीलः-

- राजस्थान के जयपुर – फुलेरा मार्ग पर जयपुर से लगभग 65 किलोंमीटर दूर स्थित सांभर झील भारत की सबसे बड़ी प्राकृतिक एवं खारे पानी की झील है।
- इस झील का विस्तार 3 जिलों में है - जयपुर, अजमेर और नागौर, लेकिन सर्वाधिक विस्तार जयपुर जिलें में है और इसका प्रशासनिक अधिकार नागौर जिलें का है।
- इस झील की लंबाई दक्षिण पूरव से उत्तर पश्चिम की ओर लगभग 32 किलों मीटर है और चौड़ाई 3 से 12 किलोंमीटर है इसका कुल अपवाह क्षेत्र 500 वर्ग किलोंमीटर है।
- सांभर झील में मेंथा नदी, रूपनगढ़ नदी, खारी नदी और खंडेला नदी आकर मिलती हैं ।इस झील पर भारत सरकार की "हिंदुस्तान साल्ट लिमिटेड कंपनी" द्वारा उत्पादन कार्य किया जा रहा है ।इस झील में प्रति 4 मीटर की गहराई पर 350 लाख टन उत्पादन होता है जो भारत के कुल उत्पादन का 8.7% सांभर झील से ही उत्पादित होता है।

इस झील से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण तथ्य -

- सांभर झील "स्वाईसरुबीना"नामक शैवालों के लिए प्रसिद्ध है ।इस शैवाल से 60% प्रोटीन प्राप्त होता है।
- यह झील अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के लिए भी जानी जाती है जैसे -
  - तीर्थ स्थली देव्यानी अर्थात् तीर्थों की नानी,
  - शाकंभरी माता का मंदिर,
  - संत हिमामुद्दीन की पुण्य भूमि,
  - जहांगीर का ननिहाल,
  - अकबर की विवाह स्थली
  - चौहानों की राजधानी

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ऐसा माना जाता है कि इस झील का निर्माण बिजोलिया शिलालेख के अनुसार चौहान वंश के संस्थापक वासुदेव चौहान द्वारा करवाया गया था।
- इस झील का आकार आयताकार है। इस झील पर सन् 1857 में अंग्रेजों द्वारा स्थापित सांभर साल्ट म्यूजियम स्थित है।
- पर्यटन के क्षेत्र में रामसर साइट के नाम से भी इसे जाना जाता है।

2. पचपदरा झील:-

- ऐसा माना जाता है कि 400 ईसा पूर्व पंचानामक एक भील व्यक्ति के द्वारा एक दलदल को सुखाकर इस झील के आस - पास की बस्तियों का निर्माण करवाया गया था इसलिए इस झील को पचपदरा झील कहते हैं

यह झील राजस्थान राज्य के .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

अध्याय – 6

प्राकृतिक वनस्पति, वन एवं वन्य जीव सरंक्षण

प्रिय पाठकों इस अध्याय के अंतर्गत हम राजस्थान के वन संपदा एवं वन्य जीव अभ्यारण्य का अध्ययन करेंगे और समझेंगे की वन मानव जीवन के लिए किस प्रकार से उपयोगी हैं /

* दोस्तों वन संपदाको 'हरा सोना' एवं मानव का सुरक्षा कवच' कहा जाता है।

वनमानवीय जीवन के लिए प्राचीन काल से आज तक आर्थिक सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण सिद्ध हुए हैं।

वन संपदा,जीव–जंतु,मनुष्य आदि को आवास प्रदान करता है। इसी कारण कहा जा सकता है कि भौतिक भूगोल में वन संपदा महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है।

वनस्पति:-प्राकृतिक रूप से उगने वाले पेड़ पौधे जिसमें मानवीय हस्तक्षेपन हीं पाया जाता हो प्राकृतिक वनस्पति के नाम से जानी जाती है ।

निष्कर्ष:-वर्तमान समय में दावानल (जंगलों में लगने वाली आग) जनसंख्या बढ़ता हुआ शहरीकरण नवीनीकरण एवं मानवीय हस्तक्षेप के द्वारा हमारे ये अमूल्य संसाधन नष्ट होते जा रहे हैं अतः धारणीय विकास पर्यावरण मित्र विकास मानव हस्तक्षेप पर नियंत्रण बढ़ते हुए शहरीकरण पर नियंत्रण जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण आदि को अपनाकर प्राकृतिक वनस्पति का संरक्षण एवं संवर्धन किया जा सकता है।

वन विभाग :एक नजर में

प्रदेश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल - 342239 वर्ग किमी.

प्रदेश का कुल वन क्षेत्र - 32845.30 वर्ग किमी.

कुल भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत वन क्षेत्र - 9.597

प्रदेश का कुल वनावरण - 16630 वर्ग किमी.

वृक्षावरण - 8112 वर्ग किमी.

वनावरण एवं वृक्षावरण - 24742 वर्ग किमी.

राज्य पशु - चिंकारा एवं ऊंट

राज्य पक्षी - गोडावण

राज्य वृक्ष - खेजड़ी

राज्य पुष्प - रोहिडा

राष्ट्रीय उद्यान - 3

वन्यजीव अभ्यारण - 27

बाघ परियोजनाएँ - 3(रणथम्भौर सरिस्का एवं मुकुंदरा हिल्स)

रामसर स्थल - 2(केवलादेव नेशनल पार्क एवं सांभर झील)

संरक्षित क्षेत्र (कंजर्वेशन रिजर्व) - 14

कुल प्रादेशिक मंडल - 38

वन्यजीव मंडल - 16

भारत में सर्वप्रथम वन नीति 1894 को लागू की गई एवं स्वतंत्रता के बाद प्रथम वन नीति 1952 को लागू की गई।

इस 1952 की वन नीति में संशोधन करके 1988 में राष्ट्रीय वननीति .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)

FREE SAMPLE

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान की प्रमुख वनस्पतियों के प्रकार

1. **खेजड़ी**:- इसे राजस्थानी भाषा में सीमलो तथा इसे धार्मिक ग्रंथों में शमी राजस्थान का कल्पवृक्ष, मरुस्थल का सागवान, सफेद कीकर, राजस्थान का राज्य वृक्ष (31, अक्टूबर 1983) आदि उपनाम से जाना जाता है।

Scientific Name – Prosopis Sinereria

सिंधी भाषा में इसे छोकड़ा कड़ा कहते हैं।

राजस्थान में दशहरे के पर्व पर इस वृक्ष की पूजा की जाती है।

इस वृक्ष सेसंबंधित 'रूख आयला' एवं खेड़ा ऑपरेशन (1951) संबंधित है।

2. **पलाश /धोंक**:- इसे स्थानीय भाषा में खाखरा कहा जाता है।

इस वृक्ष पर फाल्गुन के माह में लाल व पीले रंग के फूल खिलते हैं, इसी कारण इसे जंगल की आग या flame of the forest कहां जाता है।

इस वृक्ष की लकड़ी अधिक मजबूत होती है जिससे फर्नीचर, कृषि के औजार एवं इंधन के लिए लकड़ी प्राप्त होती है

यह वृक्ष मुख्य रूप से चित्तौड़ उदयपुर डूंगरपुर बाँसवाड़ा 12 झालावाड़, कोटा आदि स्थानों पर पाया जाता है।

3. **सागवान**:- सागवान का वृक्ष राजस्थान में बाँसवाड़ा , चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, झालावाड़ आदि स्थानों पर पाया जाता है। जो कि राज्य के कुल वन क्षेत्र का 7% है।

इस वृक्ष की लकड़ी अत्यधिक मजबूत होती है जिससे अनेक उपयोगी वस्तुएं बनाई जाती है।

FREE SAMPLE

खेजड़ली गांव:-जोधपुर के महलों के निर्माण के लिए चूना पकाने के लिए ईधन की आवश्यकता पड़ने पर जोधपुर के राजा अभय सिंह राठौड़ के द्वारा वनों से लकड़ी काटने का आदेश दिया गया। तब हकीम दास गिरधर भंडारी के द्वारा .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

राजस्थान के अभ्यारण्य

1. **सरिस्का**:- अलवर,492 वर्ग किलोमीटर इसे 1955 में अभ्यारण का दर्जा एवं 1978 में बाघ परियोजना में शामिल किया गया। यह राजस्थान की सबसे बड़ी एवं दूसरी बाघ परियोजना है।

इस अभ्यारण्य में (total tiger daw) का संचालन RTDC(राजस्थान पर्यटन विकास नियम) के द्वारा किया जाता है।

इस अभ्यारण्य में चार धार्मिक स्थल है

ताल वृक्ष मांडव ऋषि की तपोस्थली

भर्तहरि का मंदिर कनफडे नाथ की शरण स्थली

पांडुपोल सोते हुए / शयन मुद्रा में हनुमान जी

नीलकंठ गणेश की प्रतिमा

राजस्थान में सबसे अधिक हरे कबूतर सरिस्का अभ्यारण में पाए जाते है।

इस अभ्यारण्य में सबसे अधिक मोर पाए जाते है।

राष्ट्रीय पक्षी - मोर - 1963A. D. में घोषित

2. **राष्ट्रीय मरू उद्यान**:- जैसलमेर - बाड़मेर

1900Km^2 + 1262 Km^2 = 3162 Km^2

यह राजस्थान का सबसे बड़ा अभ्यारण है, जिसे 8 मई 198। में अभ्यारण्य का दर्जा दिया गया।

इस अभ्यारण्य में मुख्य आकर्षण का केंद्र प्रवीणा सर्प एवं गोडावण पक्षी है।

इस अभ्यारण्य में आकल वुड फॉसिल पार्क एवं लाठी सीरीज स्थित है।

FREE SAMPLE

3. **सीता माता अभ्यारण्य**:- प्रतापगढ़,326 वर्ग किलोमीटर

चीतल की मातृभूमि

सर्वाधिक सागवान के वृक्ष

यहां एंटीलो प्रजाति का .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

अध्याय – 12

सिंचाई परियोजनाएँ

प्रिय छात्रों इस अध्याय के अंतर्गत हम राजस्थान की नदी घाटी परियोजनाओं का विस्तार से अध्ययन करेंगे । जैसा कि आपको पता है जल ही जीवन है जैसे कि सिंधु घाटी सभ्यता जल की वजह से ही सिंधु और उसकी सहायक नदियों के आस - पास पनप रही थी । जल जहाँ भी होगा वहां एक अच्छी वनस्पति, जीव, जंतु पनपते हुए देखतें हैं।

नदियां जल का प्राकृतिक स्रोत होती हैं और इन्हीं नदियों के माध्यम से सिंचाई, पेयजल, विद्युत उत्पादन जैसी सुविधाएं प्राप्त की जाती है ।इसीलिए नदियों पर परियोजनायें बनाई जाती है।

राजस्थान में सिंचाई की अधिक आवश्यकता होती है क्योंकि यहां की भूमि शुष्क हैं और वर्षा कम होती है । प्रिय छात्रों हम शुरुआत करते हैं सिंचाई से ।

सिंचाई- वर्षा के अभाव में भूमि को कृत्रिम तरीके से पानी पिलाने की क्रिया को सिंचाई कहा जाता है । क्योंकि राजस्थान एक कृषि प्रधान राज्य है यहां की लगभग 70% जनसंख्या कृषि पर आधारित है राजस्थान की भौगोलिक स्थिति के आधार पर जैसे बालुई मिट्टी वर्षा की कमी के कारण सिंचाई की अत्यधिक आवश्यकता होती है ।क्योंकि राजस्थान में भारत के औसत वर्षा का लगभग आधे से भी कम औसत वर्षा होती है। भारत में कुल वर्षा लगभग ।।7 सेंटी मीटर होती है /

सिंचाई की विशेषताएं -

- सिंचाई से कृषि उत्पादन में वृद्धि होती है।
- सिंचाई के द्वारा वर्ष में । से अधिक फसलों का उत्पादन किया जा सकता है।

- जिन स्थानों पर कृषि के कृत्रिम तरीके उपलब्ध नहीं होते उन स्थानों पर कृषि सीमित होती है लेकिन जिन स्थानों पर उपलब्ध होते हैं, वहां पर कृषि अर्थ व्यवस्था की विशेषता बन जाती है।
- सिंचाई कृषि को स्थायित्व प्रदान करती हैं लेकिन जिन स्थानों पर किसान वर्षा पर आधारित होते हैं उन स्थानों पर कृषि मानसून का जुआ बन जाती है।
- राजस्थान भारत का सबसे बड़ा राज्य है जिसका कुल क्षेत्रफल 342.52 लाख हेक्टेयर है।

राजस्थान में सिंचाई के साधन -

- **कुएं व नलकूप -**
- राजस्थान में कुएं व नलकूप से लगभग 69.73% सिंचाई होती है । राजस्थान में सबसे अधिक इन साधनों से सिंचाई "जयपुर" जिलें में होती है इसके अलावा अलवर, भरतपुर, करौली , दौसा, सवाई माधोपुर में होती है।

- **नहरें -**
- राजस्थान में नेहरों से लगभग 29.60% सिंचाई होती है सबसे अधिक नहरों से सिंचाई गंगानगर और हनुमानगढ़ जिलें में होती है इसके अलावा चुरू, झुंझुनू, बीकानेर,जैसलमेर, बाड़मेर, जालौर, जोधपुर आदि में भी नेहरों के द्वारा ही सिंचाई होती है।

- **तालाब -**
- राजस्थान में तालाब से 0.69% सिंचाई होती है सबसे अधिक तालाबों से सिंचाई वाला जिला "भीलवाड़ा" है इसके अलावा दक्षिणी राजस्थान में भी तालाबों से सिंचाई होती है । दोस्तों अब हम जानते हैं नदी घाटी परियोजना ओं के बारे में।
- प्रिय छात्रों नदी घाटी परियोजनाएं को चार भागो में विभाजित किया गया है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- **बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना -**

- बहुउद्देशीय परियोजना एंवे परियोजनाएं होती हैं जिन से सिंचाई , पेयजल एवं विद्युत आदि की पूर्ति करवाई जाती है अर्थात् एक से अधिक उद्देश्यों के लिए बनाई गई परियोजना बहु उद्देशीय परियोजना कहलाती है ।जैसे -

- राजस्थान में भाखड़ा नांगल परियोजना जो कि सिंचाई, पेयजल एवं विद्युत बनाने के लिए प्रयोग में की जाती है,

(i) व्यास परि योजना

(ii) चंबल घाटी परियोजना

(iii) माही परियोजना इत्यादि

2. वृहद परियोजना -

- वें परियोजनाएं जिनका सिंचाई क्षेत्र 10000 हेक्टेयर से अधिक होता है। वृहद परियोजना कहलाती है जैसे – गंगा नहर परियोजना, इंदिरा गांधी नहर परियोजना, राजीव गांधी सिद्ध मुख नहर, नर्मदा परियोजना,

- **मध्यम परियोजनाएं -**
- वें परियोजनाएँ जिनका क्षेत्र से 10000 तक होता है जैसे -
- सोम - कमला- अंबा परियोजना, विलास परियोजना इत्यादि।

- **लघु परियोजनाएं -**
- वें परियोजनाएं जिनका कृषि योग्य क्षेत्र 2000 हेक्टेयर से कम होता है लघु परियोजनाएं कहलाती हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

7. बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना -

(i) भाखड़ा – नांगल परियोजना -

- भाखड़ा – नांगल परियोजना सतलज नदी पर बनी हुई है। यह भारत देश की सबसे बड़ी बहु उद्देशीय परियोजना है जो कि राजस्थान, पंजाब एवं हरियाणा की मिश्रित परियोजना है।
- इस परियोजना के निर्माण का सर्वप्रथम विचार 1908 में गवर्नर "सर लुई सडेन" के द्वारा दिया गया था और इसका निर्माण कार्य 1948 के बाद प्रारंभ हुआ।
- इस परियोजना का निर्माण दो चरणों में पूरा किया गया -

1. भाखड़ा बांध -

- भाखड़ा बांध यह देश का तीसरा (वर्तमान में) सबसे ऊंचा बांध है जिसकी आधार शिला 17 नवंबर 1955 को देश के प्रधान मंत्री जवाहर लाल नेहरू के द्वारा रखी गई जो कि अक्टूबर 1960 में अमेरिकी बांध निर्माता हार्वेस्लो कम के निर्देशन में बनकर तैयार हुआ।
- इस बांध को 22 अक्टूबर 1963 को जवाहरलाल नेहरू ने देश को समर्पित कर दिया था।
- इस बांध का निर्माण सतलज नदी पर हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर जिलें में किया गया है।
- इस बांध की ऊंचाई 255.55 मीटर (लगभग 226 मीटर) तथा इसकी लंबाई 518.16 मीटर तथा इसकी चौड़ाई 9.14 मीटर है।
- इस बांध के पीछे के जलाशय को गोविंद सागर झील कहा जाता है जो कि भारत की सबसे बड़ी मीठे पानी की झील है।
- भारत का दूसरा सबसे ऊंचा बांध टिहरी बांध पहला सरदार सरोवर बांध है जो कि नर्मदा नदी पर गुजरात में बना हुआ है।
- इस बांध के दोनों किनारों पर विद्युत संयंत्र स्थापित किए गए हैं जिनकी कुल विद्युत क्षमता पहले की 540 मेगा वाट दूसरी की 785 है।

FREE SAMPLE

2. नांगल बांध -

- यह बांध पंजाब के जिलें में सतलज नदी पर स्थित है। यह भाखड़ा बांध से 12 किलों मीटर दूर है।
- इस बांध की लंबाई 340.8 मीटर है। तथा ऊंचाई 29 मीटर है।
- इस बांध पर दो विद्युत संयंत्र लगाए गए हैं - 1. गंगेवाल - 83.58 मेगावाट, 2. कोटला 84.57 मेगावाट।
- इस बांध से सिंचाई के लिए दो नहरें निकाली गई है - 1. भाखड़ा नहर 2. बारी –बिस्ट दो आब।
- भाखड़ा – नांगल समझौता 1959 के अनुसार राजस्थान को इसका 22.15% हिस्सा प्राप्त होता है।
- इस परियोजना की कुल विद्युत क्षमता 1493 मेगा वाट एवं सिंचाई क्षमता 14.6 लाख हेक्टेयर है जिसमें से राजस्थान को 2.3 लाख हेक्टेयर पर सिंचाई उपलब्ध होती है एवं 227. 32 मेगा वाट विद्युत प्राप्त होती है।

राजस्थान के हनुमानगढ़ जिलें में .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्टूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE

अध्याय – 15

खनिज सम्पदाएँ

प्रिय छात्रों इस अध्याय के अंतर्गत हम राजस्थान में पाए जाने वाले प्रमुख खनिज संसाधनों का अध्ययन करेंगे सबसे पहले हम समझते हैं कि खनिज संसाधन किसे कहते हैं।

खनिज

खनिज या खनिज पदार्थ ऐसे भौतिक पदार्थ हैं जो खान से खोद कर निकाले जाते हैं । कुछ उपयोगी खनिज पदार्थों के नाम हैं – लोहा, अभ्रक, कोयला, बॉक्साइट (जिससे एल्युमिनियम बनता है), नमक (पाकिस्तान व भारत के अनेक क्षेत्रों में खान से नमक निकाला जाता है), जस्ता, चूना पत्थर इत्यादि ।

पृथ्वी की भू - पट्टी में पाई जाने वाली यौगिक जिनमें धातुओं की मात्रा पाई जाती है, वह खनिज कहलाते हैं।

ऐसे खनिज जिनमें धातु की मात्रा अधिक होती है तथा उनसे धातुओं का निष्कर्षण करना आसान होता है उन्हें अयस्क कहते हैं।

जैसे-

धातु	अयस्क
हेमेटाइट	लोहा
बॉक्साइट	एल्युमिनियम
गैलेना	शीशा
डोलोमाइट	कैल्शियम
सिडेराइट	लौहा

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मेलेकाइट तांबा

खनिजों के प्रकार

खनिज तीन प्रकार के होते हैं; धात्विक, अधात्विक और ऊर्जा खनिज।

धात्विक खनिज:

लौह धातु: लौह अयस्क, मैंगनीज, निकेल, कोबाल्ट, आदि।

अलौह धातु: तांबा, लेड, टिन, बॉक्साइट, आदि।

बहुमूल्य खनिज: सोना, चाँदी, प्लैटिनम, आदि।

अधात्विक खनिज :

अभ्रक, लवण, पोटाश, सल्फर, ग्रेनाइट, चूना पत्थर, संगमरमर, बलुआ पत्थर, आदि।

ऊर्जा खनिज: कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस ।

राजस्थान में खनिज संसाधन –

प्रिय छात्रों राजस्थान में कई प्रकार के खनिज पाए जाते हैं।

जैसा कि आपको पता है राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य है यहां पाई जाने वाली अधिक विविधताओं के कारण या यह राज्य खनिज संपदा की दृष्टि से एक संपन्न राज्य है । और इसी वजह से इसे "खनिजों का अजायबघर" भी कहा जाता है । दोस्तों खनिज भंडार की दृष्टि से राजस्थान का देश में झारखंड के बाद दूसरा स्थान आता है जबकि खनिज उत्पादन मूल्य की दृष्टि से झारखंड, मध्यप्रदेश, गुजरात, असम के बाद राजस्थान का पांचवा स्थान है । राजस्थान में कुल होने वाले देश के खनन क्षेत्र का

FREE SAMPLE

5.7% क्षेत्रफल आता है । देश में सर्वाधिक खाने राजस्थान में स्थित है । देश के कुल खनिज उत्पादन में राजस्थान का योगदान 22% है।

राजस्थान में 80 से अधिक खनिज पाए जाते हैं आइए जानते हैं कौन - कौन से खनिज यहां पाए जाते हैं।

1. ऐसे खनिज जिन पर राजस्थान का एकाधिकार है -

पन्ना, जास्पर, तामड़ा, वोलेस्टोनाइट

2. ऐसे खनिज जिनके उत्पादन में राजस्थान का प्रथम स्थान है -

जस्ता - 97%, फ्लोराइड 96 %, एबेस्टोस 96 %, रॉकफोस्फेट 95%, जिप्सम 94 % चुनापत्थर 98%, खड़ियामिट्टी 92%,घीयापत्थर 90 %, चांदी 80%, मकराना (मार्बल) 75%, सीसा 75%, फेस्फार 75%, टंगस्टन 75%, कैल्साइट 70%, फायरक्ले 65%, ईमारतीपत्थर 60%, बेंटोनाइट 60%, कैडमियम 60%

3. वे खनिज जिनकी राजस्थान में कमी है - लोहा, कोयला, मैंगनीज, खनिज तेल, ग्रेफाइट

राजस्थान में पाए जाने वाले खनिजों को तीन प्रकारों में बांटा जा सकता है -

1. धात्विक खनिज - लौहअयस्क, मैंगनीज, टंगस्टन, सीसा, जस्ता, तांबा, चांदी इत्यादि।
2. अधात्विक खनिज - अभ्रक, एस्बेस्टस, फेल्सपार, बालुका मिट्टी, चूनापत्थर, पन्ना, तामड़ा इत्यादि।
3. ईंधन - कोयला, पेट्रोलियम, खनिज इत्यादि।

दोस्तों खनिजों की दृष्टि से राजस्थान में अरावली प्रदेश और पठारी प्रदेश काफी समृद्ध है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

धात्विक खनिज -

I. लोहा –राजस्थान में लोहा मुख्य रूप से अरावली के उत्तर – पूरव एवं दक्षिण- पूरव में पाया जाता है।

लौहा अयस्क चार प्रकार का होता है-

i. मैग्नेटाइट-74 %

ii. हेमेटाइट- 64 %

iii. लिमोनाइट- 50 %

iv. सिडेराइट- 40%

राजस्थान में मुख्य रूप से लौहे का उत्पादन निम्न स्थानों पर होता है एवं .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम -

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE

राजव्यवस्था

अध्याय – I

राज्यपाल

(अनुच्छेद 153)

- भारतीय संविधान के भाग 6 में राज्य शासन के लिए प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान पहले जम्मू-कश्मीर को छोड़कर सभी राज्यों के लिए लागू होता था, लेकिन अब सभी राज्यों के लिए लागू होता है।
- राज्य की कार्यपालिका का प्रमुख "राज्यपाल"होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से अथवा अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से इसका उपयोग करता है अर्थात राज्यों में राज्यपाल की स्थिति कार्यपालिका के प्रधान की होती है परंतु वास्तविक शक्ति मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद में निहित होती है।
- राज्य में राज्यपाल का उसी प्रकार से स्थान है, जिस प्रकार से देश में राष्ट्रपति का (कुछ मामलों को छोड़कर)।
- मूल संविधान में अनुच्छेद 153 में यह लिखित किया गया था कि प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल होगा लेकिन 7 वें संविधान संशोधन (1956) द्वारा इसमें एक अन्य प्रावधान जोड़ दिया गया जिसके अनुसार एक ही व्यक्ति दो या दो से अधिक राज्यों के लिए भी राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।

राज्यपाल बनने के लिए निम्नलिखित योग्यताओं की आवश्यकता होती है -

योग्यताएं -

1. वह भारत का नागरिक हो।
2. वह 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो

FREE SAMPLE

3. किसी प्रकार के लाभ के पद पर ना हो।

4. और वह राज्य विधानसभा का सदस्य चुने जाने योग्य हो।

- राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा 5 वर्षों की अवधि के लिए की जाती है परंतु यह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है। अनुच्छेद 156(1) या वह पद त्याग कर सकता है अनुच्छेद 156 (2)
- सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जिस प्रकार से राष्ट्रपति को हटाने के लिए "महाभियोग" प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है उस प्रकार भारत के संविधान में राज्यपाल को उसके पद से हटाने हेतु किसी भी प्रक्रिया का उल्लेख नहीं किया गया है।
- राज्यपाल का वर्तमान वेतन ₹ 3,50,000 मासिक है यदि दो या अधिक राज्यों के लिए एक ही राज्यपाल हो उसे दोनों राज्यपाल का वेतन उस अनुपात में दिया जाएगा जैसा कि राष्ट्रपति निर्धारित करें।
- राज्यपाल पद ग्रहण करने से पूर्व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अथवा वरिष्ठतम न्यायाधीश के सम्मुख अपने पद की शपथ ग्रहण करता है।

राज्यपाल के विशेषाधिकार एवं उन्मुक्तियां –

- अपने पद पर अपने पद की शक्तियों के प्रयोग तथा कर्तव्य पालन के लिए किसी भी न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है।
- राज्यपाल की अवधि के दौरान उसके विरुद्ध किसी भी न्यायालय में किसी प्रकार की आपराधिक कार्यवाही प्रारंभ नहीं की जा सकती।
- जब वह अपने पद पर होता है तब उसकी गिरफ्तारी का आदेश किसी न्यायालय द्वारा जारी नहीं किया जा सकता।
- राज्यपाल का पदग्रहण करने से पूर्व या पश्चात उसके द्वारा किए गए कार्य के संबंध में सिविल करने से पहले उसे 2 माह पूर्व सूचना देनी पड़ती है।

FREE SAMPLE

राज्यपाल के कार्य एवं शक्तियां –

I. कार्यपालिका संबंधी कार्य –

- राज्य के समस्त कार्यपालिका कार्य राज्य के नाम से ही किए जाते हैं अर्थात् राज्यपाल राज्यपाल कार्यपालिका का नाममात्र का प्रमुख होता है।
- राज्यपाल मुख्यमंत्री को तथा उसकी सलाह से उनकी मंत्रिपरिषद के सदस्यों को नियुक्त करता है तथा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाता है।

राज्यपाल राज्य के .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)

FREE SAMPLE

U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 I[st] शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (I[st] शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

राजस्थान के राज्यपालों की सूची –

क्र.सं	राज्यपाल	कार्यकाल
1.	सवाई मानसिंह	30मार्च1949 - 31अक्टूबर1956
2.	सरदार गुरुमुख निहालसिंह	1नवम्बर 1956 - 15अप्रैल 1962
3.	डॉ. सम्पूर्णानंद	16अप्रैल 1962 - 15अप्रैल 1967
4.	सरदार हुकुमसिंह	16अप्रैल 1967 - 19नव. 1970
5.	जस्टिस जगतनारायण (कार्यवाहक)	20 नवम्बर 1970 – 23 दिस. 1970

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

6.	सरदार हुकुमसिंह	24 दिसम्बर 1970 – 30 जून 1972
7.	सरदार जोगिन्दर सिंह	1 जुलाई 1972 – 14 फरवरी 1977
8.	जस्टिस वेदपाल त्यागी (कार्यवाहक)	15 फरवरी 1977 – 11 मई 1977
9.	श्री रघुकुल तिलक	12 मई 1977 - 8 अगस्त 1981
10.	जस्टिस के.डी. शर्मा (कार्यवाहक)	8 अगस्त 1981 – 5 मार्च 1982

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक ***सैंपल मात्र*** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए

नीचे दिए गये ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय – 5

राजस्थान लोक सेवा आयोग

- वर्ष 1923 में ली कमिशन ने भारत में एक संघ लोकसेवा आयोग की स्थापना की सिफारिश की थी।
- राजस्थान राज्य के गठन के समय कुल 22 प्रांतों में से मात्र 3 प्रांत-जयपुर, जोधपुर एवं बीकानेर में ही लोकसेवा आयोग कार्यरत थे।
- रियासतों के एकीकरण के बाद गठित राजस्थान राज्य के तत्कालीन प्रबंधन ने 16 अगस्त, 1949 को एक अध्यादेश के अधीन राजस्थान लोकसेवा आयोग की स्थापना की।
- इस अध्यादेश का प्रकाशन राजस्थान के राजपत्र में 20 अगस्त 1949 को हुआ और इसी तिथि से अध्यादेश प्रभाव में आया ।
- इस अध्यादेश के द्वारा राज्य में कार्यरत अन्य लोकसेवा आयोग एवं लोकसेवा आयोग की तरह कार्यरत अन्य संस्थाएं बंद कर दी गयी।
- अध्यादेश में आयोग के गठन, कर्मचारीगण एवं आयोग के कार्यों से संबंधित नियम भी तय किये गये।
- आंरभिक चरण में आयोग में एक अध्यक्ष एवं दो सदस्य थे।
- राजस्थान के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश सर एस.के. घोष को अध्यक्ष नियुक्त किया गया।
- तत्पश्चात श्री देवी शंकर तिवारी एवं श्री एन.आर. चन्दोर कर की नियुक्ती सदस्यों के रूप में एवं संघ लोकसेवा आयोग के पूर्व सदस्य श्री एस.सी. त्रिपाठी, आई.ई.एस की नियुक्ति अध्यक्ष के रूप में की गयी।
- वर्ष 1951 में आयोग के कार्यों को नियमित करने के उद्देश्य से राजप्रमुख द्वारा भारत के संविधान के अनुसार निम्न नियम पारित किये गये-

1. राजस्थान लोकसेवा आयोग सेवा की शर्ते नियम, 1951

2. राजस्थान लोकसेवा आयोग कार्यों की सीमा नियम, 1951

- लोकसेवा आयोगों के द्वारा सम्पादित किये जाने वाले महत्वपूर्ण कार्यों एवं उनकी निष्पक्ष कार्यप्रणाली के कारण भारतीय संविधान में इनका महत्वपूर्ण स्थान है।
- अनुच्छेद संख्या 16, 234, 315 से 323 तक विशेष रूप से लोकसेवा आयोगों के कार्य एवं अधिकार क्षेत्र के संबंध में है।
- राजस्थान लोकसेवा आयोग की कार्यप्रणाली राजस्थान लोकसेवा आयोग नियम एवं शर्ते, 1963 एवं राजस्थान लोकसेवा आयोग (शर्ते एवं प्रक्रिया का मान्यकरण अध्यादेश 1975 एवं नियम 1976) के द्वारा तय की जाती है।
- वर्तमान में राजस्थान लोकसेवा आयोग में एक अध्यक्ष एवं सात सदस्य हैं।
- यह पद संवैधानिक है एवं राज्य के राज्यपाल की आज्ञा से इन पदों पर नियुक्ति की जाती है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा के .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

अध्याय – 9

राज्य सूचना आयोग

- सूचना के अधिकार के लिए 1990 के दशक से अभियान चलाया जा रहा था।
- अगस्त 2004 में सूचना स्वतंत्रता अधिनियम में संशोधन की सिफारिशें केन्द्र सरकार को सौंपी गई।
- इसी वर्ष संसद में सूचना अधिकार विधेयक पेश हुआ।
- 12 मई, 2005 को संसद द्वारा पारित होकर दिनांक 15जून, 2005 कोइ से राष्ट्रपति की स्वीकृति प्राप्त हुई।
- अधिनियम की धाराएँ 4(1), 5(1)(2) तथा 12, 13, 15, 16,24, 27 व 28 अविलम्ब प्रभाव में आ गई जबकि शेष धाराएँ 12अक्टूबर, 2005 से देशभर में प्रभावी हुई।
- सूचना का अधिकार अधिनियम केन्द्र सरकार, सभी राज्य सरकारों (जम्मू कश्मीर को छोडकर), स्थानीय शहरी निकायों, पंचायती राज संस्थाओं तथा उन सभी निकायों पर जो सरकार के स्वामित्व या उसके द्वारा स्थापित, गठित, नियंत्रित अथवा वित्त पोषित गैर सरकारी संगठन हैं, लागू हो गया है।
- सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 के तहत राजस्थान राज्य सूचना आयोग का गठन किया गया
- आयोग में राज्य मुख्य सूचना आयुक्त व आवश्यकतानुसार (अधिकतम दस) राज्य सूचना आयुक्त नियुक्त हो सकते हैं।
- राजस्थान राज्य सूचना आयोग का गठन दिनांक 13.04.2006 को कर राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया है।
- राज्य के प्रथम राज्य मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में श्री एम.डी. कौ रानी को राज्यपाल ने पद की शपथ दिलाई।

FREE SAMPLE

- आयोग एक वैधानिक निकाय है जो पूर्णतया स्वायत्तशासी है तथा जिसे अपने कार्यों के निष्पादन में किसी अन्य प्राधिकारी से निर्देश प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है।
- राजस्थान राज्य सूचना आयोग का मुख्यालय जयपुर में है।
- राजस्थान राज्य सूचना आयोग में एक राज्य मुख्य सूचना आयुक्त और तीन राज्य सूचना आयुक्त के पद सृजित हैं।

आयोग के कार्य व शक्तियाँ

- सूचना का अधिकार अधिनियम , 2005 की धारा 18, 19 है।
- आयोग नागरिकों से प्राप्त परिवादों की जाँच कर उनको निष्पादित करने, अपील में बतौर अपील अधिकारी निर्णय देने, दोषी अधिकारियों को दण्डित करने के साथ-साथ अधिनियम की कुशल क्रियान्विति के लिये लोक प्राधिकरणों को आवश्यक निर्देश दे सकता है।
- आयोग के द्वारा अपील / परिवाद पर दिये निर्देश बाध्यकारी है।

परिवाद संबंधी शक्तियां

- आयोग के समक्ष नागरिक निम्नलिखित बिन्दुओं पर परिवाद प्रस्तुत कर सकते हैं-

(क) राज्य लोकसूचना अधिकारी की नियुक्ति नहीं होने के कारण वह आवेदन प्रस्तुत नहीं कर सका है या राज्य लोक सूचना अधिकारी / सहायक लोकसूचना अधिकारी ने उसके सूचना के आवेदन को लेने से इंकार कर दिया है।

(ख) राज्य लोक सूचना अधिकारी ने उसे आवेदित सूचना देने से इंकार .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान**

FREE SAMPLE

प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)" *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें****, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय - 12

पंचायती राज

- स्थानीय शासन 'महात्मा गाँधी' की संकल्पना राम राज्य या ग्राम स्वराज्य का परिष्कृत रूप है। गाँधीजी की इस संकल्पना को फलीभूत करने के लिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्य सरकार को निर्देश दिए गए थे, जो 1993 में 73वें संविधान संशोधन के परिणामस्वरूप सम्भव हुआ।
- 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन 1993 के तहत स्थानीय शासन भारतीय परिसंघीय व्यवस्था में तीसरे स्तर की सरकार को सामने ला खड़ा किया।
- 'पंचायती राज' और 'नगरपालिका प्रणाली' को संवैधानिक अस्तित्व प्राप्त करने में एक लम्बा संघर्ष करना पड़ा।
- वर्ष 1956 में गठित बलवन्त राय मेहता समिति ने सर्वप्रथम पंचायती राज को स्थापित करने की सिफारिश की जिसे स्वीकार कर लिया गया साथ ही सभी राज्यों को इसे क्रियान्वित करने के लिए कहा गया।
- सर्वप्रथम राजस्थान के नागौर जिले में 2 अक्टूबर 1959 को पण्डित जवाहर लाल नेहरू ने पंचायती राज की नींव रखी और उसी दिन इसे सम्पूर्ण राज्य (राजस्थान) में लागू कर दिया गया।
- किन्तु वाँछित सफलता प्राप्ति में कमी ने इस पर गम्भीरता से विचार करने के लिए मजबूर किया। अनेक समितियों का गठन किया गया, जिन्होंने अपनी सिफारिशों से पंचायती राज को मजबूती प्रदान की।

FREE SAMPLE

पंचायती राज व्यवस्था समितियाँ		
1.	बलवंत राय मेहता समिति	1957
2.	अशोक मेहता समिति	1977
3.	जी.वी.के. राव समिति	1985
4.	एल. एम. सिंघवी समिति	1986
5.	संथानम समिति	1962
6.	सादिक अली समिति	1964

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा

वर्ष, 1989 में तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्री राजीव गाँधी ने पंचायतों के सुधार व सशक्तिकरण में विशेष रुचि ली तथा एल. एम. सिंघवी समिति और थुमन समिति की सिफारिशों के आधार पर लोकसभा में 64वाँ संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत किया। जिसे लोकसभा द्वारा पारित कर दिया गया लेकिन राज्यसभा द्वारा अस्वीकार कर .....

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)

FREE SAMPLE

राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

FREE SAMPLE

संपर्क करें - 8504091672, 9694804063, 8233195718

पंचायती राज से सम्बन्धित समितियाँ

क्र.सं.	पं. समिति का नाम	कार्यकाल	प्रमुख सिफारिशें
1.	बलवन्त राय मेहता समिति (अध्यक्ष बलवन्त राय मेहता)	1956-57	स्थानीय स्तर पर लोकतान्त्रिक विकेन्द्रीकरण त्रिस्तरीय पंचायती राज की स्थापना (जिला परिषद् प्रखण्ड समिति ग्राम पंचायत)
2.	अशोक मेहता समिति (अध्यक्ष अशोक मेहता)	1977-78	द्विस्तरीय पंचायती राज की स्थापना (मण्डल पंचायत एवं जिला परिषद्) राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व चार वर्षीय कार्यकाल

FREE SAMPLE

3.	एल.एम. सिंघवी समिति (अध्यक्ष लक्ष्मीमल सिंघवी)	1986-87	पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा दिया जाए राजनीतिक दलों की सहमति में प्रतिबन्ध
4.	पी. के. थुंगन समिति (अध्यक्ष पी. के. थुंगन)	1988	पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

राजस्थान का विविध

राजस्थान में प्रथम

➢	प्रथम पुलिस महानिदेशक	रघुनाथ सिंह कपूर (1983 से)
➢	प्रथम राजप्रमुख	सवाई मानसिंह (जयपुर)
➢	प्रथम राज्यपाल	सरदार गुरुमुख निहाल सिंह
➢	प्रथम मुख्यमंत्री	पण्डित हीरा लाल शास्त्री
➢	प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री	टीकाराम पालीवाल
➢	प्रथम विधानसभा अध्यक्ष	नरोत्तम लाल जोशी
➢	प्रथम विधानसभा उपाध्यक्ष	लाल सिंह शक्तावत
➢	प्रथम राज्यपाल में मनोनीत होने वाले राजस्थानी	नारायण सिंह माणकलाव
➢	प्रथम मुख्य न्यायधीश	कमलकांत वर्मा
➢	प्रथम राज्य मानवाधिकार आयोग के अधक्ष	कांता भटनागर
➢	प्रथम राज्य लोकसेवा आयोग अध्यक्ष	एस. के. घोष
➢	प्रथम मुख्य सचिव	के. राधाकृष्णन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम :-

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्टूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

FREE SAMPLE

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान के प्रमुख मेले एक नजर

➢	नाम मेला	जिला	विवरण
➢	साहवा मेला	अलवर	मत्स्य प्रदेश का सबसे बड़ा मेला
➢	ख्वाजा साहब का उर्स	अजमेर	मुस्लिमो का सबसे बड़ा मेला/ उर्स
➢	महावीर जी का मेला	करोली	जेनियो का सबसे बड़ा मेला
➢	वेणेश्वर मेला	डूंगरपुर	आदिवासियों का कुम्भ, भीलो का कुम्भ, वांगड का पुष्कर, वांगड प्रदेश का सबसे बड़ा मेला
➢	कपिल मुनि का मेला	कोलायत, बीकानेर	जांगल प्रदेश का सबसे बड़ा मेला
➢	भरतहरी का मेला	अलवर	मत्स्य प्रदेश का सबसे बड़ा मेला
➢	पुष्कर मेला	अजमेर	राजस्थान का सबसे प्रसिद्ध/रंगीन मेला/ मेरवाडा का कुम्भ मेला
➢	सीताबाडी का मेला	बारा	हाड़ोती प्रदेश का सबसे बड़ा मेला/सहरिया जाति का कुम्भ मेला
➢	वीर तेजाजी का पशु मेला	परबतसर, नागोर	आय की द्रस्त्री से राज्य का सबसे बड़ा पशुमेला

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान में सूती वस्त्र मील

➢	सूती वस्त्र मीलें	स्थान	स्थापना
➢	दि कृष्णा मिल्स लिमिटेड (राज्य की प्रथम सूती मिल)	ब्यावर	1889
➢	एडवर्ड मिल्स लिमिटेड	ब्यावर	1906
➢	श्री महालक्ष्मी मिल्स लिमिटेड	ब्यावर	1935
➢	मेवाड़ टेक्सटाइल्स मिल्स लिमिटेड	भीलवाडा	1938
➢	उम्मेद सिंह मिल्स लिमिटेड (राज्य की सबसे बड़ी सूती मील)	पाली	1942
➢	सार्दुल टेक्सटाइल्स लिमिटेड	श्री गंगानगर	1946
➢	कोटा टेक्सटाइल्स	कोटा	1956
➢	राजस्थान स्पिनिंग एंड विविंग मिल्स लिमिटेड	भीलवाड़ा	1960
➢	आदित्य मिल्स लिमिटेड	किशनगढ़	1960
➢	पोद्दार स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड	जयपुर	1960
➢	उदयपुर कॉटन मिल्स लिमिटेड	उदयपुर	1961
➢	भवानीमण्डी कॉटन मिल्स लिमिटेड	भवानीमण्डी	1968

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान के प्रमुख हस्तशिल्प

➢	**हस्तशिल्प**	**स्थान**
➢	मीनाकारी	जयपुर
➢	लाख का सामान	जयपुर
➢	अजरक प्रिन्ट	बाडमेर
➢	दाबू प्रिन्ट	आकोला (चित्तौड़गढ़)
➢	मलीर प्रिन्ट	बाडमेर
➢	जाजम प्रिन्ट	चित्तौड़गढ़
➢	थेवा कला	प्रतापगढ़
➢	ब्लू पॉटरी	जयपुर
➢	ब्लैक पॉटरी	कोटा
➢	कागजी पॉटरी	अलवर

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए

नीचे दिए गये ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान में नमक के कारखाने

क्र.सं.	कारखाने	स्थान	स्थापना
1.	राजस्थान स्टेट साल्ट वर्क्स	पंचपद्रा	1960
2.	राजस्थान स्टेट साल्ट वर्क्स	डीडवाना	1960
3.	सांभर साल्ट लिमिटेड	सांभर	1964
4.	राजस्थान स्टेट केमिकल्स व वर्क्स (सोडियम सल्फेट उत्पादन के लिये)	डीडवाना	1964
5.	राजस्थान स्टेट केमिकल्स व वर्क्स (सोडियम सल्फाइड उत्पादन केलिये)	डीडवाना	1966

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान में कांच उद्योग

क्र.सं.	कांच उपक्रम	स्थान
1.	धौलपुर ग्लास वर्क्स	धौलपुर
2.	द हाईटेक प्रिसीजन ग्लास (गंगानगर शुगर मिल की सहायक कंपनी थी)	धौलपुर
3.	सेमकोर ग्लास इण्डस्ट्रीज (टी.वी. पिक्चर ट्यूब का निर्माण किया जाता है)।	कोटा

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व उपनाम एक नजर

	व्यक्ति	उपनाम
➢	हरिभाऊ उपाध्याय	द साहब
➢	जयनारायण व्यास	लोकनायक, धुन के धनी, मस्साब, लक्कड़ और कक्कड़, शेर
➢	स्वामी केशवानन्द	शिक्षा संत (बचपन का नाम बिरमा)
➢	अमरचन्द भाटिया	राजस्थान का भामाशाह (1857 की क्रांति के प्रथम शहीद राजस्थान का मगंलकार्य
➢	गणेश लाल व्यास	उस्ताद
➢	जुगलू किशोर चतुर्वेदी	दुसरा जवाहर लाल नेहरू
➢	भोगी लाल पांडिया	बागड़ का गाँधी
➢	मोती लाल तेजावत	बावजी, आदिवासियों का मसीहा

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राजस्थान का समसामयिकी

सितम्बर – 2021

हाल ही में केन्द्र सरकार ने राजस्थान में मारवाड़ रियासत के किस राठौड़ शासक की 515 वीं जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया है?

- हाल ही में 17 सितंबर को राव जयमल राठौड़ (जयमल मेड़तिया) की 515 वीं जयंती मनाई गई है 1507 में इनका जन्म हुआ था ।
- केन्द्र सरकार ने जारी किया सम्मान में डाक टिकट, ऐतिहासिक चित्तौड़ दुर्ग पर हुए तीसरे जौहर और साके के सेनापति राव जयमल राठौड़ के डाक टिकट जारी किए गए।
- राव जोधा के पड़पौत्र एवं भक्त मीरा बाई के चचेरे भाई थे जयमल राठौड़ मेड़ता के शासक थे। उनके पिता राव वीरमदेव के निधन के बाद वो मेड़ता के राजा बने। वो राठौड़ वंश के संस्थापक राव दूदा के पौते थे चित्तौड़गढ़ के 1568 के युद्ध में इनका निधन हो गया था

राजस्थान भू-राजस्व संशोधन विधेयक 2021

- 18 सितम्बर, 2021 को राजस्थान विधानसभा में भू-राजस्व संशोधन विधेयक 2021 पारित कर दिया गया है।
- इसके तहत गांवों में बाड़ों के लिए दी गई भूमि पर अब राज्य सरकार आवासीय पट्टे जारी कर सकेगी। यह पट्टे 500 गज तक के उपखण्ड अधिकारी और तहसीलदार जारी कर सकेंगे।
- 22 सितम्बर, 2021 को डूंगरपुर में नये कृषि महाविद्यालय की शुरुआत राज्यपाल कलराज मिश्र द्वारा की गई।
- डूंगरपुर कृषि महाविद्यालय, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर के संघटक इकाई के रूप में शुरू हुआ है।

- राज्य में इस प्रकार 13 नबे कृषि महाविद्यालय खोले जायेंगे। वर्ष 2022-23 के लिए अलग से कृषि बजट पेश करने का निर्णय लिया गया

हाल ही में राजस्थान विधानसभा में खाद्य मिलावट के लिए सजा को बढ़ाने हेतु आपराधिक कानून (राजस्थान संशोधन) विधेयक कब पारित किया गया है?

- संसदीय कार्य मंत्री शांति धारीवाल ने 18 सितंबर 2021 सदन में आपराधिक कानून (राजस्थान संशोधन) विधेयक प्रस्तुत किया गया जिसे राज्य विधानसभा ने पारित किया
- शांति धारीवाल ने बताया कि आपराधिक कानून (राजस्थान संशोधन) विधेयक में खाद्य पदार्थों में मिलावट के लिए सजा को बढ़ाने का प्रावधान है।

प्रशासन गाँवों के संग अभियान (2 अक्टूबर, 2021 से 17 दिसम्बर, 2021)

अभियान की विशेषताएँ :-

प्रत्येक ग्राम पंचायत पर शिविरों का आयोजन

कार्यों की सुगमता के लिए मौके पर मौजूद अधिकारियों को शक्तियों का प्रत्यायोजन

अभियान की प्रत्येक स्तर पर सतत् मॉनिटरिंग एवं पर्यवेक्षण

शिविरों में ई-मित्र केन्द्रों पर सभी सुविधाएँ निःशुल्क

अभियान में 22 विभागों द्वारा किये जाने वाले आमजन से जुड़े प्रमुख कार्य

- पूर्व आवंटित बाड़ों के रहवासीय उपयोग प्रकरणों में आवासीय आवंटन पुराने कदीमी रास्तों का अंकन आबादी विस्तार
- हेतु भूमि आवंटन, गैर खातेदारी से खातेदारी अधिकार, राजस्व अभिलेख की निःशुल्क नकलें, अशुद्धियों का सुधार भूमिहीनों को आवासीय पट्टे जारी करना
- प्रधानमंत्री आवास योजना में किश्तों का भुगतान नरेगा योजना में नवीन जॉब कार्ड

- मुख्यमंत्री चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजनान्तर्गत डोर-टू-डोर सर्वे अभियान व चिरंजीवी योजना में पंजीकरण से वंचित लाभार्थियों को योजना से जोड़ना
- 30 वर्ष से अधिक के सभी लोगों की स्वास्थ्य जाँच हैण्ड पम्प मरम्मत एवं स्वच्छ पेयजल आपूर्ति
- आंगनबाड़ी कार्यकर्ता / सहायिका/ आशा सहयोगिनी तथा साथिन के रिक्त पदों पर चयन ऋण से वंचित पूर्व डिफाल्टर ऋणियों को 200 करोड़ रु. का ऋण वितरण
- 2.5 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड
- विलम्ब भुगतान सरचार्ज में कृषि उपभोक्ता को 100% छूट एवं घरेलू उपभोक्ताओं को 50% छूट
- समस्त प्रकार की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं में स्वीकृतियाँ
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना / पालनहार योजना / सुखद दाम्पत्य

हाल ही में अक्टूबर माह में राजस्थान के वीर शिरोमणि हल्दीघाटी युद्ध के विजेता महाराणा प्रताप की प्रतिमा किस देश में स्थापित होगी?

- UAE के दुबई में प्रदेश के वीर शिरोमणि हल्दीघाटी युद्ध के विजेता महाराणा प्रताप की प्रतिमा लगेगी (जयपुर स्थित भारती शिल्पकला स्टूडियो में मूर्तिकार महावीर भारती और निर्मला कुल्हरी द्वारा महाराणा प्रताप की प्रतिमा बनाई जा रही है।)

इस प्रतिमा में वह अपने प्रिय हाथी रामप्रसाद पर सवार हैं। इसे अगले माह .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए

नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)

FREE SAMPLE

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE

❖ ***राजस्थान विधानसभा में कब 'राजस्थान अनिवार्य विवाह रजिस्ट्रेशन (संशोधन) विधेयक, 2021 पारित किया गया है?***

➢ *राजस्थान विधानसभा में 18 सितंबर को राजस्थान अनिवार्य विवाह रजिस्ट्रेशन (संशोधन) विधेयक, 2021 पारित हो गया।*

➢ *इस विधेयक के पास होने के बाद राज्य के अंदर किसी भी विवाह के होने के 30 दिन के अंदर इसकी जानकारी प्रशासन को देनी होगी और इसका रजिस्ट्रेशन कराना होगा।*

➢ *अगर नया विधेयक कानून का रूप ले लेता है तो अब सरकार को विवाह रजिस्ट्रेशन के लिए एक अतिरिक्त जिला विवाह पंजीकरण अधिकारी और ब्लॉक विवाह पंजीकरण अधिकारी नियुक्त करने की अनुमति देगा*

❖ ***राजस्थान विधानसभा में एमबीएम विश्वविद्यालय, जोधपुर का विधेयक पारित कर दिया?***

➢ *राजस्थान विधानसभा ने 17 सितंबर 2021 को ध्वनिमत से एमबीएम विश्वविद्यालय जोधपुर का विधेयक पारित कर दिया।*

➢ *उच्च शिक्षा मंत्री भंवर सिंह भाटी ने विधेयक को सदन में विधेयक प्रस्तुत किया था*

➢ *देश के सबसे पुराने कॉलेजों में से एक मगनीराम बांगड़ मैमोरियल (एमबीएम) कॉलेज 70 साल बाद अब खुद विश्वविद्यालय बनने जा रहा है। एमबीएम कॉलेज की स्थापना 1951 में हुई थी।*

❖ ***पीएम कुसुम कम्पोनेन्ट***

➢ *राज्य में राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम द्वारा संचालित "पीएम कुसुम कम्पोनेन्ट-ए" योजना के अंतर्गत आठवें सौर ऊर्जा संयंत्र से झालावाड़ जिले की खानपुर तहसील के बाघेर गांव में ऊर्जा उत्पादन प्रारम्भ हो गया है।*

➢ *0.5 मेगावाट क्षमता की इस परियोजना की निर्माण लागत लगभग 2 करोड़ रुपये है।*

FREE SAMPLE

- *इस योजना के अंतर्गत यह कोटा संभाग एवं झालावाड जिले का प्रथम सौर ऊर्जा संयंत्र है।*

प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाअभियान (पीएम कुसुम योजना) *भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना हैं जिसके कम्पोनेन्ट.....*

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"*** *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE

फरवरी – 2022

डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार : -

2 फरवरी, 2022 को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक कला केंद्र द्वारा प्रदत्त किया जाने वाला प्रतिष्ठित 'डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार' जयपुर के लोककला मर्मज्ञ विजय वर्मा को स्वास्थ्य कारणों से उनके निवास स्थान पर प्रदान किया गया। राज्य के राज्यपाल एवं पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के अध्यक्ष कलराज मिश्र के निर्देशानुसार राज्यपाल के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार और पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की निदेशक किरण सोनी गुप्ता ने विजय वर्मा के निवास पर पहुँचकर उन्हें सम्मानित किया।

राजस्थान के जाने-माने कला मर्मज्ञ पँभूषण डॉ. कोमल कोठारी की स्मृति में केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर द्वारा दिया जाने वाला 'डॉ. कोमल कोठारी स्मृति लाइफ टाइम अचीवमेंट लोक कला पुरस्कार' हेतु इस बार संयुक्त रूप से महाराष्ट्र के ठाणे के कला मनीषी डॉ. प्रकाश सहदेव खांडगे तथा जयपुर के विजय वर्मा को चुना गया था।

एनसीसी राजस्थान ने फ्लैग एरिया प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान : -

4 फरवरी, 2022 को राज्य के पर्यटन मंत्री विश्वेंद्र सिंह को पर्यटन भवन में कर्नल जितेंद्र कुमार (एस.सी.) निदेशक, नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) और कर्नल संजय गुप्ता, कंटिंजेंट कमांडर, एनसीसी ने स्मृति चिह्न और एनसीसी कैप प्रदान किया गया ।

राजस्थान एनसीसी निदेशालय के 57 एनसीसी कैडेट्स ने दिल्ली में गणतंत्र दिवस परेड शिविर में 17 दिसंबर, 2021 से 29 जनवरी, 2022 तक भाग लिया था। आरडीसी कैंप में राजस्थान के कैडेट्स ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए तीसरा स्थान हासिल किया है। कैंप

में लाईन एरिया प्रतियोगिता, फ्लैग एरिया प्रतियोगिता, ड्रिल प्रतियोगिता और सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की गईं।

राज्य की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने के लिये पर्यटन विभाग ने राजस्थान की कला, संस्कृति और विरासत की जानकारी प्रदान करके एनसीसी कैडेट्स की मदद की थी। नतीजतन, कैडेट्स ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और फ्लैग एरिया प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, सांस्कृतिक प्रतियोगिता में चौथा स्थान तथा समग्र रूप से आरडीसी 2022 में तीसरा स्थान हासिल किया है।

राज्य के जयपुर जिले में विश्व के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास :-

5 फरवरी, 2022 को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जयपुर के चौंप में विश्व के तीसरे सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस अवसर पर बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली भी इस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

- *चौंप का यह स्टेडियम अहमदाबाद के मोटेरा एवं ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न के बाद विश्व का तीसरा और भारत का दूसरा सबसे बड़ा स्टेडियम होगा। इसकी दर्शक क्षमता 75 हज़ार होगी।*
- *इस स्टेडियम को बनाने के लिये बीसीसीआई राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन को 100 करोड़ रुपए अनुदान देगी।*
- *यह स्टेडियम 5 साल में लगभग 650 करोड़ की लागत से दो चरणों में बनेगा। पहले चरण में 40 हज़ार दर्शक क्षमता और दूसरे चरण में 35 हज़ार दर्शकों की बैठक क्षमता को विकसित किया जाएगा।*
- *इस अत्याधुनिक स्टेडियम में 11 क्रिकेट पिच, 2 प्रैक्टिस ग्राउंड, क्रिकेट अकादमी, हॉस्टल, जिम, रेस्टोरेंट के साथ ही कॉन्फ्रेंस हाल का निर्माण किया जाएगा।*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- जयपुर में एसएमएस स्टेडियम, जोधपुर में बरकतुल्ला खाँ स्टेडियम, उदयपुर में बन रहे स्टेडियम तथा जयपुर के पास चौंप में अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम बनने से राजस्थान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के चार स्टेडियम होंगे।

राजस्थान युवा पखवाड़ा ;-

फरवरी, 2022 को प्रसिद्ध गांधीवादी सुब्बाराव की जयंती पर शांति एवं अंहिसा निदेशालय, राजस्थान द्वारा राज्य में विभिन्न विभागों के सहयोग से 'राजस्थान युवा पखवाड़े'का शुभारंभ किया गया, जो 20 फरवरी, 2022 तक चलाया गया। युवा पखवाड़ा के अंतर्गत राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले प्रतियोगितायों को सर्टिफिकेट वितरित किए गये।

25 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को नंद घर के रूप में विकास करने के लिये एमओयू : -

8 फरवरी, 2022 को राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के 25 हजार आंगनबाड़ी केंद्रों को नंद घर के रूप में विकसित करने हेतु वेदांता समूह के अनिल अग्रवाल फाउण्डेशन के साथ एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम को संबोधित किया।

राज्य सरकार की ओर से प्रमुख शासन सचिव महिला एवं बाल विकास .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)"** के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

"राजस्थान प्रयोगशाला सहायक (Lab Assistant)" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)
U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 1st शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (1st शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

संपर्क करें – 8504091672, 9694804063, 8233195718

FREE SAMPLE

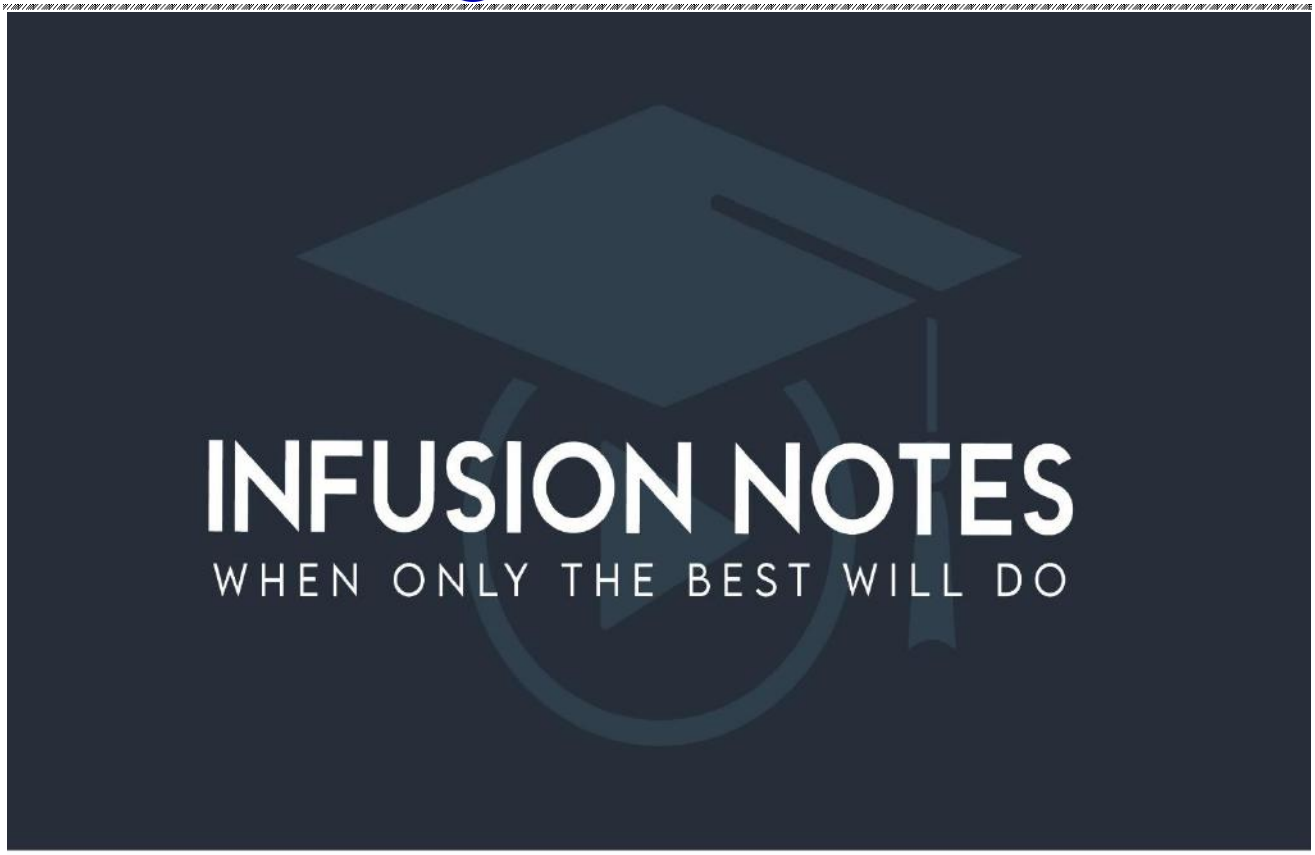

AVAILABLE ON/

01414045784

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/